Political Participation

राजनीतिक सहभागिता

B.A PART-III

VII PAPER

7) राजनीतिक सहभागिता सभी राजनीतिक व्यवस्थाओं के लिए अनिवार्य तत्व है। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली का तो बुनियादी आधार ही 'सहभागिता' है क्योंकि इसका संचालन जनता द्वारा किया जाता है। २०वीं शताब्दी में सभी राजनीतिक व्यवस्थाएं चाहे वे सर्वाधिकारवादी हो या लोकतंत्रवादी, अनुदारवादी हो या प्रतिक्रियावादी; अपने नागरिकों को राजनीति में भाग लेने का अधिकार देती है और इस आधार पर वे अपने देश को लोकतांत्रिक शासन का गौरवपूर्ण स्थान देती है।

अर्थ एवं परिभाषा :-

व्यक्तियों द्वारा राजनीतिक व्यवस्था के विभिन्न स्तरों पर भाग लेने को राजनीतिक सहभागिता कहते हैं। सामान्य तौर से नागरिकों के वह कार्य जो सरकार की निर्णयकारी प्रक्रिया को प्रभावित करते हैं; राजनीतिक सहभागिता कहलाती है। 'रोप्टर' जैसे विद्वान जनगतिशीलता को भी सहभागिता के अंतर्गत मानते हैं और कहते हैं कि राजनीति की ओर नागरिकों का दृष्टिकोण और झुकाव ही राजनीतिक सहभागिता है।

मैक्गलोस्की के अनुसार :-

राजनीतिक सहभागिता लोकतांत्रिक व्यवस्था में सहमति देने अथवा वापस लेने का एक प्रमुख साधन है, जिसके द्वारा शासकों द्वारा को शासितों के प्रति उत्तरदायी बनाया जाता है। इनके शब्दों में राजनीतिक सहभागिता को उन स्वैच्छिक

Scanned with CamScanner

क्रियाओं जिनके द्वारा समाज के सदस्य शासकों के चयन एवं प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से जन-नीतियों के निर्माण के रूप में भाग लेते हैं, सहभागिता कहलाते हैं मैक्क्लूज तथा प्रोथो ने तो राजनीतिक सहभागिता के जनता द्वारा प्रत्यक्ष राजनीतिक विचारों को व्यक्त करने से संबंधित सभी प्रकार का व्यवहार बताया है राजनीतिक सहभागिता का विस्तार रूप में इसका अर्थ यह है कि परम्परागत क्रियाओं के अतिरिक्त राजनीतिक निर्णयों के प्रति विरोध व्यक्त करने या समर्थन तथा प्रदर्शनों एवं उपद्रवों जैसे विविध राजनीतिक क्रियाओं को भी राजनीतिक सहभागिता में सम्मिलित किया जाता है

राजनीतिक सहभागिता का महत्व :-

(Significance of political participation

आधुनिक शासन प्रणालियों में राजनीतिक सहभागिता का विशिष्ट महत्व है राजनीतिक व्यवस्थाओं का स्थायित्व वैधता पर आधारित होता है और वैधता जन-समर्थन पर। इसलिए यह कहा जाता है कि सहभागिता के परिणाम-स्वरूप समर्थन शीघ्रता से प्राप्त हो सकता है आधुनिक युग में नागरिकों की इच्छा के संबंध में ज्ञान प्राप्त करने के लिए तथा नागरिकों में गतिशीलता लाने के लिए हर पद्धति विभिन्न प्रकार की संस्थाओं की रचना करके यह प्रयत्न करती है कि नागरिक अधिक से अधिक पद्धति की गतिविधियों में सहयोगी बनें। आधुनिक युग

नागरिकों की इच्छा के संबंध में ज्ञान प्राप्त करने के लिए तथा नागरिकों में गतिशीलता लाने के लिए हर पद्धति विभिन्न प्रकार की संस्थाओं की रचना करके यह प्रयत्न करती है कि नागरिक अधिक से अधिक पद्धति की गतिविधियों में सहयोगी बनें। आधुनिक युग लोकतांत्रिक युग कहलाता है जिसका अर्थ न केवल निर्वाचन के समय मताधिकार का प्रयोग करके सरकार का गठना है बल्कि लोकहित में इस सरकार को नागरिकों की इच्छाओं के अनुसार निर्णय लेने के लिए बाध्य करना भी है यही कारण है कि हर राजनीतिक व्यवस्था में संचार साधनों के माध्यम से समय-समय पर महत्वपूर्ण प्रश्नों के सम्बन्ध में निर्णय लेने के पश्चात या निर्णय लेने के पूर्व सरकार नागरिकों की इच्छा जानने का प्रयत्न करती है, यह तभी सम्भव हो सकता है जब नागरिक राजनीतिक पद्धति की गतिविधियों में सहयोगी बनें। सहभागिता राजनीतिक संस्कृति को प्रभावित करती है तथा उनको परिवर्तित करने में सहभागिता का विशेष हाथ रहता है इसलिए विकासशील देशों में सहभागिता पर कुछ अधिक ही बल दिया जाता है।

राजनीतिक सहभागिता के प्रमुख कारक निम्न हैं:
(Bases of Political Participation)

1) **सामाजिक कारक :-** शिक्षा, व्यवसाय, आय, लिंग,

आयु, निवास-स्थान, गतिशीलता, धर्म, प्रजाति तथा सामुदिक प्रभाव आते हैं।

(2) मनोवैज्ञानिक कारक :— मानसिक तनाव को कम करती है।

(3) राजनीतिक कारक :— स्वतंत्र दलीय गतिविधियाँ, राजनीतिक विचार राजनीति से प्रेरित भावना।

(4) आर्थिक कारक :— आर्थिक हितों की रक्षा।

राजनीतिक सहभागिता के विभिन्न रूप :— (Various Kinds of Political participation)

(1) मतदान :— मतदान राजनीति में भाग लेने का सबसे महत्वपूर्ण साधन है। इसके अंतर्गत मतदाता उम्मीदवारों को अपनी स्वीकृति देकर शासन में निर्णय लेने का अधिकारी बनाता है। मतदान राजनीतिक सहभागिता का एक ऐसा रूप है जो हमेशा नहीं पाया जाता है। इसका प्रयोग सामान्यतः चुनाव के समय ही होता है।

(2) प्रत्याशी या दल को धन देना :— प्रत्याशी या दल को धन देकर उसकी सहायता करना भी एक प्रकार की राजनीतिक सहभागिता है। यह कार्य सभी लोग नहीं कर सकते हैं। इस कार्य को केवल वही लोग कर सकते हैं जिनके पास धन है, इसलिए कहा जाता है कि

प्रजातंत्र जनसाधारण की व्यवस्था न रहकर कैसो पैसे वालो द्वारा खरीदा जाने वाला एक खिलौना मात्र बन जाता है यह

(3) **अर्धराजनीतिक तथा राजनीतिक संगठनों की सदस्यता :—**

अर्धराजनीतिक तथा राजनीतिक दलो की सदस्यता भी एक राजनीतिक क्रिया है ऐसी सदस्यता साधारण तथा सक्रिय दोनो प्रकार की हो सकती है आज दूध बेचने वाले से लेकर बड़े-से-बड़ा पूँजीपति अपने हित से संबंधित अपने समूह का सदस्य होता है इन समूहो द्वारा अपने हित की पूर्ति का प्रयास करते हैं और जनमत को अपने पक्ष मे करते हैं प्रचार अभियान में भाग लेना भी एक राजनीतिक क्रिया है

(4) **चुनाव लड़ना :—**

निर्वाचन के मैदान में आकर जनता के नेतृत्व को हाथ में लेने का कार्य सबसे महत्वपूर्ण प्रकार की राजनीतिक सहभागिता है चुनाव लड़ने का कार्य हमेशा नहीं किया जा सकता है केवल चुनाव के समय ही इसे किया जाता है निर्दलीय रूप से या किसी दल के प्रत्याशी के रूप मे या दोनो ही रूपों में इस कार्य को किया जा सकता है

(5) **उद्दण्ड घटनाएँ :—**

प्रदर्शन, हिंसा, घिराव घेराव तथा हड़ताल भी राजनीतिक कार्य हैं किन्तु ये सामान्य रूप से, सामान्य परिस्थितियों में व्यक्ति द्वारा नहीं किए जाते हैं, ये

कार्य विशेष परिस्थितियों में ही किए जाते जब व्यक्ति संवैधानिक तरीकों से अपनी माँगों की पूर्ति करवाने में असफल हो जाता तब वह इनका प्रयोग करता है। व्यवस्था संचार मार्गों की कुशलता को रूपांतरित करने की क्षमता पर इनकी क्रिया निर्भर करती है

निष्कर्ष :—

राजनीतिक सहभागिता वह है जो राजनीतिक व्यवस्था के क्रियाकलापों पर निर्भर करती है इसमें संचार, दलीय भावना, जनमत, समर्थन इत्यादि विभिन्न क्रियाएँ मिल कर राजनीतिक व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए व्यक्तियों का संगठित रूप होकर ही राजनीतिक सहभागिता प्रदर्शित करती है

—0—

Scanned with CamScanner